© पी. ब्रूस्टर पिंकी

कोलम्बस ने सोचा कि उसने भारत पहुंचने का नया रास्ता खोज लिया है। इसीलिए उसने वहां मिले लोगों को संबोधित करने के लिए इंडियन्स शब्द का इस्तेमाल किया।

कोलम्बस डे

जब 12 अक्टूबर, 1492 को सान साल्वाडॅर द्वीप (इसे वेटलिंग द्वीप भी कहते हैं, अब यह ब्रिटिश बहामाज़ का अंग है) पर कदम रख तो क्रिस्टोफ़र कोलम्बस ने पुरानी दुनिया और अब तक अज्ञात नई दुनिया के बीच सम्पर्क स्थापित कर दिया। इस घटना की स्मृति को अमेरिका ने कोलम्बस डे के रूप में अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया है।

अमेरिकी बच्चे तुकबंदी के सहारे इतिहास की परीक्षा के लिए इस महत्वपूर्ण वर्ष को याद रखते हैं : इन फॉर्टीन हंड्रेड एंड नाइंटी टू, कोलम्बस सेल्ड द ओशन ब्लू।

कोलम्बस अटलांटिक को पार करने वाला पहला यूरोपवासी नहीं था। माना जाता है कि ग्यारहवीं सदी में वाइकिंग नाविक कुछ समय न्यू फाउंडलैंड में रहे थे। विद्वान कोलम्बस से पहले भी कई नाविक अभियानों के अमेरिका पहुंचने की संभावनाएं बताते हैं। लेकिन पश्चिमी गोलार्ध के मूलवासियों और यूरोपियनों के बीच सतत सम्पर्क स्थापित करने का श्रेय कोलम्बस को ही जाता है।

कोलम्बस के नई दुनिया की धरती पर कदम रखने की स्मृति में कई देशों में वार्षिक पर्व मनाए जाते हैं : बहामाज़ में डिस्कवरी डे, स्पेन में हिस्पैनिक डे और अधिकांश लैटिन अमेरिकी देशों में दिया दे ला राज़ा (रेस का दिन)। 1937 में राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूज़वेल्ट ने कोलम्बस डे को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। तब यह 12 अक्टूबर को मनाया जाता था लेकिन 1971 में अमेरिकी कांग्रेस ने इसके लिए अक्टूबर का दूसरा सोमवार नियत कर दिया ताकि कामगारों को पर्व के लिए लम्बा सप्ताहांत मिल पाए। अमेरिका में कोलम्बस दिवस खासतौर पर इतालवी और इतालवी-अमेरिकी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है क्योंकि आम धारणा यह है कि कोलम्बस उत्तरी इटली के समुद्रतटीय नगर जेनोआ का वासी था।

15वीं सदी के उत्तरार्ध में यूरोप और भारत के बीच समुद्र मार्ग स्थापित करने के प्रयासों पर पुर्तगाली नाविकों का वर्चस्व था। पुर्तगालियों को मात देने की नीयत से स्पेन की रानी ईज़ाबेला प्रथम ने उस समुद्री अभियान की अनुमति दी जिसमें कोलम्बस को स्पेन से पश्चिम की ओर बढ़ते हुए भारत पहुंचना था। असल में उन दिनों माना जाता था कि संसार गोल है और इसलिए पश्चिम का अंतिम छोर पूर्व ही होगा। कोलम्बस की असली उपलब्धि यह रही कि वह ईज़ाबेला को एक खतरनाक और अटकलबाजी पर टिकी योजना में पैसा लगाने को राजी कर पाया।

अगस्त 1492 में कोलम्बस निना, पिंटा और सांता मारिया नाम के तीन पोतों पर 90 नाविकों को साथ लेकर निकला। पांच सप्ताह तक पश्चिम की ओर चलकर 12 अक्टूबर को कोलम्बस ने जिस धरती को छुआ, उसे ही भारत मान लिया और वहां के लोगों को इंडियन्स।

इस पहली यात्रा के बाद कोलम्बस ने तीन बार और इस क्षेत्र की यात्रा की और मरते दम तक यही मानता रहा कि उसने भारत और एशिया पहुंचने का एक नया रास्ता ढूंढ निकाला है। वह कभी नहीं जान पाया कि उसने दरअसल यूरोप के लिए उत्तर और दक्षिण अमेरिका का दरवाजा खोला है।

अमेरिका क्योंकि ब्रिटिश उपनिवेश से एक राष्ट्र के रूप में विकसित हुआ, न कि कोलम्बस और उसके पूर्ववर्तियों के दावे के अनुरुप। इसलिए काफी समय तक अमेरिका में कोलम्बस की ''खोज'' का उत्सव नहीं मनाया गया। वैसे कोलम्बस के नई दुनिया पहुंचने की तीन सौवीं और चार सौवीं वर्षगांठों पर समारोह आयोजित किए जाते थे। वर्ष1866 में न्यूयॉर्क और 1869 में सैन फ्रांसिस्को में शुरुआती आयोजनों का भी विवरण मिलता है।

कोलम्बस डे पर अमेरिका के संघीय सरकार के कार्यालय और ज़्यादातर बैंक बंद रहते हैं। स्कूल और ज़्यादातर दुकानें खुली रहती हैं। कैरिबियन के एक छोटे द्वीप पर तीन जहाजों के लंगर डालने के पांच सदी बाद भी न्यू यॉर्क सिटी में भव्य कोलम्बस डे परेड निकलती है।

ब्यूरो ऑफ़ इंटरनेशनल इंफॉर्मेशन प्रोग्राम्स, अमेरिकी विदेश विभाग से।

© पी. ब्रूस्टर पिंकी

ऊपर बाएं: रिडोल्फ़ो घिरलैंडायो द्वारा बनाया गया क्रिस्टोफर कोलम्बस का एक चित्र।

ऊपर: वर्ष 2003 में कोलम्बस डे के मौके पर सैन फ्रांसिस्को में इटालियन हेरिटेज परेड के दौरान क्रिस्टोफर कोलम्बस की वेशभूषा पहने और हाथ में तलवार लिए जोसेफ सरवेट्टो, जू.।